सेमेस्टर – 4

बी.ए.ऑनर्स (हिन्दी)

भारतीय काव्यशास्त्र

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-10**

Course title & Code	**Credits**	**Credit distribution of the course**			**Pre-requisite of the course (if any)**	**Content of Course and reference is in**
		Lecture	**Tutorial**	**Practical/ Practice**		
भारतीय काव्यशास्त्र	**4**	**3**	**1**	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

1. विद्यार्थियों को भारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोध कराना
2. काव्य-चिंतन के विभिन्न संप्रदायों से अवगत कराना
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवं छंदों की संरचना से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा से अवगत हो सकेंगे
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोग कर सकेंगे
3. पारंपरिक और आधुनिक काव्य-विवेक के नैरंतर्य की समझ समृद्ध होगी

UNIT-1 (4 सप्ताह)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्य भरत मुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

UNIT-2(4 सप्ताह)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

UNIT-3 (3 सप्ताह)

- रसः स्वरूप, अवयव और भेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

UNIT-4 (3 सप्ताह)

- शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना)
- अलंकार: शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- छंद: समवर्णिक-सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक -चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक -बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक -कुंडलिया, छप्पय

सहायक ग्रंथों की सूची

1. रस-मीमांसा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. साहित्य-सहचर, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी
3. रससिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, भाग-2-डॉ. नगेन्द्र, ओरियन्टल बुक डिपो

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-11**

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक) **(DSC)-11**	**4**	**3**	**1**	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

- आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
- खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
- छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिन्दी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
- स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाशा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
- कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या-विष्लेशण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

UNIT-1

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र - नए जमाने की मुकरी (सं. 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त -'भारत-भारती'के भविष्यत खंड (92-98) से कवि शिक्षा (106-111), भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984

UNIT-2

- रामनरेश त्रिपाठी- पथिक: प्रथम सर्ग से - 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर .... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक पथिक - रामनरेश त्रिपाठी (हिन्दी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद - पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात प्रसाद ग्रंथावली: खंड -1: सम्पादक - रत्नशंकर प्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

UNIT-3

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  निराला रचनावली: खंड-1: संपादक - नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत -द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  सुमित्रानंदन पंत रचना संचयनः संपादक - कुमार विमल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

UNIT-4

- महादेवी वर्मा - पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  महादेवी रचना संचयन: संपादक-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान - वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  स्वतंत्रता पुकारती: संपादक: नंद किशोर नवल (साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

सहायक ग्रन्थों की सूची

1. भारतेन्दु रचना संचयन: संपादक-गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन - सुमित्रानन्दन पंत, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
7. पल्लव - सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेश चन्द्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी उपन्यास

Core Course-(DSC) Credits : 3+1

कोर कोर्स **(DSC)-12**

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी उपन्यास **(DSC)-12**	**4**	**3**	**1**	—	—	**Annexure**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
- प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
- कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
- उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या-विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

UNIT-1 (3 सप्ताह)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिन्दी उपन्यास: उद्भव और विकास

UNIT-2 (3 सप्ताह)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान

1.श्रीनिवासदास, 2. प्रेमचंद, 3. जैनेन्द्र 4. अज्ञेय 5. फणीश्वरनाथ रेणु 6. श्रीलाल शुक्ल 7. धर्मवीर भारती 8. निर्मल वर्मा 9. मन्नू भण्डारी 10. मंजुल भगत 11. चित्रा मुद्गल

UNIT-3 (4 सप्ताह)

- प्रेमचंद- कर्मभूमि

UNIT-4 (4 सप्ताह)

- श्रीलाल शुक्ल - रागदरबारी

सहायक ग्रन्थों की सूची

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास - सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद: एक विवेचन - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली
5. आस्था और सौंदर्य - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली
6. हिन्दी उपन्यास - सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली